NEWS COVERAGE REPORT OF CULTURE DEPARTMENT FOR 26 & 28 JANUARY 2025

26 January

DAILY NEWS

उत्तर प्रदेश दिवस-25 के दूसरे दिन कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं

Publication	अमर उजाला (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	26 JAN 2025	Page-08

आयोजन

उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह में सजी मुशायरे की महफिल, इंडो राइट बैंड के गीतों पर झूमे दर्शक

सूफी और लोकगीतों से सुरमई हुई अवध शिल्प ग्राम की शाम

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन शनिवार को अवध शिल्प ग्राम की शाम सूफी और लोकगीतों की रूमानियत से सराबोर रही। इसी बीच सजी मुशायरे की महफिल में शायरों के कलाम से अवध की शाम सुरमई हो गई।

समारोह में इंडो राइट बैंड के कलाकारों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। गायक आभाष जोशी और श्रेयश जोशी ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर जाहि विधि राखे राम, ताहि विधि रहिये.... गीत के जरिए भगवान राम को नमन किया।

स्थापना दिवस के सिलसिले में 20 जनवरी को भातखंडे में हुई प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों ने मंच पर अपनी प्रस्तुतियां दीं। उप शास्त्रीय गायन में प्रथम स्थान पर रहे अनु गुरू ने रामजी के भइला जमन्वा... पर एकल नृत्य की प्रस्तुति दी। भरतनाट्यम में प्रथम स्थान पाने वाली आशनी देव यादव ने भी तालिया बटोरीं। लोकगायिका कल्पना पोटवारी ने मंच पर आवे संग जाई अकेला.... सुनाया तो दर्शक खड़े होकर झूमने लगे।

यूपी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बैंड की प्रस्तुति देते कलाकार। संवाद

■ **फकत सांसों का खर्चा था हमारा... :** मुशायरे की महफिल में शायर शारिक कैफी ने पढ़ा कि किसी को फिर भी महंगे लग रहे थे, फकत सांसों का खर्चा था हमारा....। आशू मिश्रा ने पेश आई है किस तरह ये दुनिया मेरे दिल से.... लोगों का दिल जीता। खुशबीर सिंह शाद ने पढ़ा, खुशियां देत-देते अक्सर खुद गम मे मर जाते हैं, रेशम बुनने वाले कीड़े रेशम में मर जाते हैं.....। अभिषेक शुक्ला ने पढ़ा कि, मैं जिसमें खुश भी था, जिंदा भी था तुम्हारा भी था...।

कहानी सुनाते बन गया हूं बेहतर इंसान

कहानीकार नीलेश मिश्रा ने कहा कि मेरा मानना है कि कहानी सुनाते-सुनाते मैं बेहतर इंसान बन गया हूं और मैं ये भी मानता हूं कि कहानी सुनते-सुनते आप भी बेहतर इंसान बन चुके होंगे। उन्होंने दीवाली की रात कहानी सुनाकर परिवार से दूर जाने पर अकेलेपन और अंदर के खालीपन को खूबसूरत अंदाज में दर्शकों के सामने रखा। बर्फी फिल्म के लिए लिखे अपने गीत, क्यों न हम तुम चले टेढ़े-मेढ़े से रास्ते पे.. भी गाया।

■ **डिस्कवर उत्तर प्रदेश पर हुई क्विज प्रतियोगिता :** पर्यटन विभाग की ओर से डिस्कवर उत्तर प्रदेश विषय पर क्विज भी कराई गई। प्रथम स्थान पर आए लखनऊ पब्लिक स्कूल जानकीपुरम को 50 हजार रुपये, द्वितीय रहे आर्मी पब्लिक स्कूल नेहरू रोड को 30 हजार रुपये, तृतीय रहे एसकेडी वृंदावन को 20 हजार का पुरस्कार दिया गया। क्विज मास्टर कुनाल सावरकर की निगरानी में प्रतियोगिता में 16 स्कूलों की 81 टीमें शामिल हुईं।

Publication	हिन्दुस्तान (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	26 JAN 2025	Page-11

शहीद पथ स्थित अवध शिल्प ग्राम में यूपी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते छात्र छात्राएं।

रामजी के भइल जनमवा, चलो करि आई दर्शनवा

यूपी दिवस

लखनऊ, संवाददाता। यूपी दिवस समारोह के दूसरे दिन शनिवार को अवध शिल्प ग्राम साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गुलजार रहा। प्रदेशभर से आए, शायरों, कलाकारों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। शायरों ने जहां अपने कलाम पेश कर लोगों को वाह-वाह करने को मजबूर कर दिया, वहीं रंगमंच के कलाकारों ने कई मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मुशायरे में यश भारती से सम्मानित खुशबीर सिंह शाद ने पढ़ा, खुशियां देते-देते अक्सर खुद गम में मर जाते हैं, रेशम बुनने वाले कीड़े रेशम में मर जाते हैं। उनका यह संजीदा शेर सुनकर लोगों ने जमकर तारीफ की। कार्यक्रम में इंडी रूट्स बैंड के कलाकारों ने मधुर धुन के बीच अवधी, भक्ति व सूफियाना गीत पेश कर समां बांध दिया। गीतकार आभाष जोशी व श्रेयश जोशी ने कई गीत सुनाए। आजमगढ़ से आए किशन ने, रामजी के भइल जनमवा, चलो कई आई दर्शनवा एकल नृत्य को लोगों ने खूब पसंद किया।

यूपी दिवस के दौरान अलग-अलग क्षेत्र की विभूतियों को सम्मानित किया गया।

परिचर्चा में कहानीकार व लेखक नीलेश मिश्र ने अपनी बेहद संजीदा कहानी दीवाली की रात, सुनाकर मुग्ध कर दिया। लोगों की फरमाइश पर बर्फी फिल्म के गीत भी सुनाए। इस मौके पर श्रोताओं ने उनके कार्यक्रम व जिंदगी से जुड़े कई सवाल भी किए।

सांस्कृतिक मंच विरासत के जरिए लोक गायिका कल्पना पोटवारी और उनकी टीम ने सांस्कृतिक छटा बिखेर दी। आजमगढ़ से आए अवधी एकल नृत्य कलाकार किशन मधेशिया ने नृत्य पेश कर लोगों को मुग्ध कर दिया।

यूपी दिवस के मौके पर शुक्रवार को बच्चों के लिए डिस्कवर उत्तर प्रदेश के नाम से क्विज आयोजित की गई। इसमें 16 स्कूलों की 81 टीमों के करीब 300 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

Publication	दैनिक जागरण (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	26 JAN 2025	Page-10

कई जमाने निचोड़ूं तो एक पल निकले...

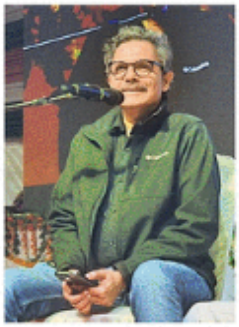

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते इंडी बैंड के कलाकार आभाष व श्रेयश, प्रस्तुति देतीं कल्पना पोटवारी व कहानी सुनाते नीलेश मिश्र ● जागरण

जागरण संवाददाता, लखनऊ :

मैं जिसमें खुश भी था जिंदा भी था तुम्हारा भी था।

कई जमाने निचोड़ूं तो एक पल निकले।।

लखनऊ के शायर अभिषेक शुक्ला ने अपनी इन पंक्तियों से उत्तर प्रदेश प्रदेश दिवस समारोह में काव्य सभा जमाई और एक से एक शेर-ओ-शायरी से श्रोताओं को देर तक आनंदित किया।

अवध शिल्पग्राम में समारोह के दूसरे दिन शनिवार को खुशबीर सिंह शाद ने पहली पंक्ति पढ़ी- 'रगों में जहर ए खामोशी उतरने से जरा पहले...' तो श्रोता दाद देने लगे। 'बहुत तड़पी कोई आवाज मरने से जरा पहले...' सुनाकर शेर पूरा किया तो तालियां गूंज उठीं। अब शारिक कैफी उपस्थित हुए। उन्होंने पढ़ा- 'किसी को फिर भी महंगे लग रहे थे, फकत सांसों का खर्चा था हमारा।' कैफी यहीं नहीं थमे। उन्होंने शब्दों के जाल में श्रोताओं को देर तक बांधे रखा। कवि आशु मिश्रा ने कैफी के भावों अपने शब्द दिए- 'कुबूल करके इसे राब्ता बहाल करो, कहीं ये फूल मेरी आखिरी पुकार न हो।' दूसरे मंच पर गायिका कल्पना पोटवारी ने भक्ति गीत- 'बम बम बोल रहा है काशी...' और निर्गुण- 'आवे संगे जाई अकेला...' सुनाकर श्रोताओं को आनंदित किया। इससे पहले इंडी रूट्स बैंड ने- 'जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिए...' और 'जग घूमेया थारे जैसा ना कोई...' जैसे गीतों से सभा को विभोर कर दिया। नीलेश मिश्रा ने कहानियां सुनाईं। श्रेयश जोशी और आभाष जोशी ने गायिकी के जलवे बिखेरे। प्रियंका सिंह खंगार के निर्देशन में बांदा की टीम ने पाई डंडा नृत्य किया। आजमगढ़ की टीम ने उपशास्त्रीय गायन से श्रोताओं को मुग्ध किया तो मऊ की टीम की अन्नू कुमारी ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। आजमगढ़ की ही अश्विनी देव यादव सुंदर भरतनाट्यम किया। कार्तिक सक्सेना ने शास्त्रीय गीत प्रस्तुत किए।

आज हरिओम पंवार, अशोक चक्रधर सुनाएंगे कविताएं

रविवार को समारोह का समापन है। दोपहर 3 :30 बजे से साहित्यिक मंच पर कवि हरिओम पंवार, अशोक चक्रधर, गुरु सक्सेना और गजेंद्र सोलंकी प्रस्तुतियां देंगे। हिमांशु बाजपेयी दास्तानगोई करेंगे। उस्ताद शखावत हुसैन कव्वाली और रितेश पांडेय सुगम संगीत प्रस्तुत करेंगे।

कार्यालय परियोजना प्रबन्धक

NIT No. 46 / NIVIDA / 20 Dated: 21 / 01 /2025

ई-निविदा सूचना

अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश जल निगम(नगरीय) की आरे से अधोहस्ताक्षरी द्वारा राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय **गोपामऊ**, हरदोई का उच्चीकरण (कक्षा 12 तक) कार्य **रु0 165.80 लाख** (जी0एस0टी0 रहित एवं लेबर सेस सहित) के निर्माण कार्य हेतु सी0एण्ड डी0एस0 में यथोचित् श्रेणी में भवन कार्य हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक **24/02/2025** के **अपरान्ह 4.00 बजे** तक ई-निविदाएँ आमन्त्रित की जाती हैं। उक्त कार्य हेतु ई-निविदा प्रपत्र **दिनांक 27/01/2025 से 24/02/2025** के मध्य उत्तर प्रदेश की e-procurement वेबसाइट https://etender.up.nic.in से डाउनलोड किये जा सकते हैं तथा ई-निविदा **दिनांक 24/02/2025** को **अपरान्ह 5:00 बजे** निदेशक, सी0एण्ड डी0एस0 उ0प्र0 जल निगम(नगरीय), टी0सी0-38 वीं विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ में खोली जायेगी। ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य रु0 10000-00+(GST 18%) अतिरिक्त देय होगा।

निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाइट www.cdsupjn.org एवं प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। समस्त शुद्धि पत्र (Corrigendum) https://etender.up.nic.in पर ही अपलोड किये जायेंगे। इनका पृथक से कोई प्रकाशन नहीं किया जायेगा। निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वे उक्त वेबसाईट का समय-समय पर अवलोकन करते रहें।

परियोजना प्रबन्धक

Publication	अमर उजाला	Publishing Date :	26 JAN 2025	Online

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन शनिवार को अवध शिल्प ग्राम की शाम सूफी और लोकगीतों की रूमानियत से सराबोर रही। इसी बीच सजी मुशायरे की महफिल में शायरों के कलाम से मंच सुरमई हो गया। बीच-बीच में कलाकारों की प्रस्तुतियों ने विभिन्न संस्कृतियों के रंग बिखेर दिए।

उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर अवध शिल्प ग्राम में चल रहे यूपी दिवस समारोह में इंडो राइट बैंड के कलाकारों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। गायक आभाष जोशी और श्रेयश जोशी ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर जाहि विधि राखे राम, ताहि विधि रहिये.... गीत के जरिए भगवान राम को नमन किया।

Publication	Live Hindustan	Publishing Date :	26 JAN 2025	Online

रामजी के भइल जनमवा, चलो कई आई दर्शनवा

Lucknow News - यूपी दिवस समारोह के दूसरे दिन अवध शिल्प ग्राम में साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रदेशभर से आए कलाकारों ने गीत, संगीत, नृत्य, और शायरी से दर्शकों का दिल जीत लिया। मुशायरे में...

28 January

DAILY NEWS

जीएलए विवि व वृंदावन शोध संस्थान ने स्थापित की ब्रजभाषा पीठ

Publication	दैनिक जागरण (मथुरा एडिशन)	Publishing Date :	28 JAN 2025	Page-05

वृंदावन शोध संस्थान में जीएलए विवि के साथ ब्रजभाषा पीठ स्थापना के लिए अनुबंध करते जीएलए विवि के कुलपति अशोक कुमार सिंह व संस्थान निदेशक डा. राजीव द्विवेदी व अन्य● स्वयं द्वारा

जीएलए विवि व वृंदावन शोध संस्थान ने स्थापित की ब्रजभाषा पीठ

संवाद सहयोगी, जागरण ● वृंदावनः ब्रज संस्कृति शुरुआत से ही संघर्षशील, समन्वयवादी व अपनी विशिष्ट परंपराओं के कारणदेश की मार्गदर्शिका रही है। क्षेत्रीय भाषा होते हुए भी सार्वभौमिक तथा गतिशील व अपराजेय रही ब्रजभाषा के उत्थान के लिए वृंदावन शोध संस्थान व जीएलए विवि ने ब्रजभाषा पीठ की स्थापना की। इसके लिए दोनों ही संस्थाओं के अधिकारियों ने एमओयू हस्ताक्षर करके शुरुआत की।

वृंदावन शोध संस्थान में सोमवार को स्थापित हुई ब्रजभाषा पीठ के बारे में निदेशक डा. राजीव द्विवेदी ने कहा ब्रज की संस्कृति क्षेत्रीय संस्कृति है। ब्रजभाषा में विपुल साहित्य की रचना हुई। ऐसी जीवंत ब्रज संस्कृति एवं ब्रजभाषा के संरक्षण व संवर्धन में पिछले 57 वर्षों से वृंदावन शोध संस्थान कार्य कर रहा है। इस लक्ष्य को पाने के लिए संस्थान समान उद्देश्यों एवं विचारों वाली संस्थाओं के साथ निरंतर काम करता रहा है। इसी कड़ी में संस्थान और जीएलए विवि के मध्य सोमवार को ब्रज संस्कृति एवं ब्रजभाषा पीठ की स्थापना के लिए मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर हुए। वृंदावन शोध संस्थान के निदेशक डा. राजीव द्विवेदी एवं जीएलए विवि के कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। पीठ द्वारा संचालित परियोजनाओं, सेमिनार, वर्कशाप के आयोजन एवं संचालन में दोनों संस्थाओं द्वारा विशेषज्ञता एवं संसाधनों को साझा किया जाएगा। जीएलए विवि के उप कुलपति प्रो. अनूप गुप्ता, डा. राजेश कुमार, प्रवीण गुप्ता, रजत शुक्ला, उमाशंकर पुरोहित मौजूद रहे।

Publication	अमर उजाला (मथूरा एडिशन)	Publishing Date :	28 JAN 2025	Page-06

अनुसंधान

दोनों संस्थाओं के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

जीएलए-वृंदावन शोध संस्थान करेंगे ब्रज संस्कृति पर कार्य

संवाद न्यूज एजेंसी

वृंदावन। वृंदावन शोध संस्थान और जीएलए विश्वविद्यालय के बीच सोमवार को ब्रज संस्कृति एवं ब्रजभाषा पीठ की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

वृंदावन शोध संस्थान की ओर से संस्थान के निदेशक डॉक्टर राजीव द्विवेदी एवं जीएलए की ओर से कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के बाद अब ब्रज संस्कृति एवं ब्रजभाषा पीठ द्वारा संचालित परियोजनाओं, सेमिनार एवं वर्कशॉप आदि के आयोजन एवं संचालन में दोनों संस्थाओं द्वारा अपनी विशेषज्ञता एवं संसाधनों को साझा किया जाएगा।

एमओयू पर हस्ताक्षर करते जीएलए के कुल सचिव व संस्थान के निदेशक। संवाद

विवि के उप कुलपति प्रोफेसर अनूप गुप्ता ने कहा कि ब्रज की संस्कृति यद्यपि एक क्षेत्रीय संस्कृति रही है, लेकिन इतिहास के आधार पर यह संस्कृति प्रारंभ से ही संघर्षशील, समन्वयकारी और अपनी विशिष्ट परंपराओं के कारण देश की मार्गदर्शिका, क्षेत्रीय होते हुए भी सार्वभौमिक तथा गतिशील व अपराजेय, साथ ही बड़ी उदात्त भी रही है।

इस मौके पर पुस्तकालय विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर राजेश कुमार, शोध संस्थान के सचिव प्रवीण गुप्ता, प्रशासनाधिकारी रजत शुक्ला एवं उमाशंकर पुरोहित उपस्थित रहे।

Publication	मयूर प्रभात (मथुरा एडिशन)	Publishing Date :	28 JAN 2025	Page-05

ब्रज संस्कृति व ब्रजभाषा पीठ हुई स्थापित

मयूर प्रभात, वृंदावनः वृंदावन शोध संस्थान और जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के मध्य सोमवार को ब्रज संस्कृति एवं ब्रजभाषा पीठ की स्थापना हेतु मेमोरेंडम ऑफ अण्डरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। वृंदावन शोध संस्थान की ओर से संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी एवं जीएलए विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालय के कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। ब्रज संस्कृति एवं ब्रजभाषा पीठ द्वारा संचालित परियोजनाओं, सेमिनार एवं वर्कशॉप आदि के आयोजन एवं संचालन में दोनों संस्थाओं द्वारा अपनी विशेषज्ञता एवं संसाधनों को साझा किया जाएगा।

ब्रज संस्कृति एवं ब्रजभाषा पीठ की स्थापना हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर करते वृंदावन शोध संस्थान और जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के पदाधिकारीगण।

डा. राजीव द्विवेदी ने बताया कि ब्रज संस्कृति एवं ब्रजभाषा के संरक्षण एवं संवर्द्धन में पिछले 57 वर्षों से वृंदावन शोध संस्थान अनवरत कार्यरत है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु संस्थान समान उद्देश्यों एवं विचारों वाली संस्थाओं के साथ निरन्तर कार्य करता रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रज की संस्कृति यद्यपि एक क्षेत्रीय संस्कृति रही है, परन्तु इतिहास के आधार पर इसकी विकास यात्रा से हमें ज्ञात होता है कि यह संस्कृति प्रारम्भ से ही संघर्षशील, समन्वयकारी और अपनी विशिष्ट परम्पराओं के कारण देश की मार्गदर्शिका, क्षेत्रीय होते हुए भी सार्वभौमिक तथा गतिशील व अपराजेय, साथ ही बड़ी उदात्त भी रही है। यह पूरे देश के आकर्षण का केन्द्र रही है तथा इसी कारण इस क्षेत्र को सदा श्रद्धा की दृष्टि से देखा जाता रहा है। यहां की ब्रजभाषा में विपुल साहित्य की रचना हुई है।

इस अवसर पर जीएलए विश्वविद्यालय के उप-कुलपति प्रो. अनूप गुप्ता, पुस्तकालय विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेश कुमार एवं संस्थान के सचिव प्रवीण गुप्ता, प्रशासनाधिकारी रजत शुक्ला एवं उमाशंकर पुरोहित उपस्थित रहे।

Publication	Neo News	Publishing Date :	28 JAN 2025	Online

https://www.neowebnews.com/78304/%e0%a4%b5%e0%a5%83%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%b6%e0%a5%8b%e0%a4%a7-%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%a5%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%8f%e0%a4%b5%e0%a4%82-%e0%a4%9c/

वृंदावन शोध संस्थान एवं जीएलएल विश्वविद्यालय के मध्य ब्रजभाषा पीठ स्थापना को हुआ करार

By **Dhirendra Singh** January 27, 2025 311 0

Share